>

Title: Need to release Rs. 150 crore to the displaced persons from the Panna Tiger Reserve Forest Area in Tikamgarh Parliamentary Constituency, Madhya Pradesh.

श्री वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़): सभापति महोदय, टाइगर्स की संख्या देश में दिन-ब-दिन घटती जा रही है और इसके लिए सारे देश में चिन्ता प्रकट की जाती है। सदन में अनेकों बार इस पर चर्चा हुई है।

पन्ना टाइगर प्रोजैक्ट स्कीम मध्य प्रदेश की एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसमें पन्ना जिला, छतरपुर, दमोह, सागर, कटनी जिलों के फॉरेस्ट एरिया को मिलाकर पन्ना टाइगर रिजर्व फोरैस्ट एरिया बनाया गया है। मेरे संसदीय क्षेत्र में पलकोहां, खरियानी, ढोड़न, मैनारी आदि गांव, जो कि इस रिजर्व फोरैस्ट एरिया में आते हैं, यहां के लोगों को हमेशा इस बात का भय बना रहता है कि उनको कब विस्थापित किया जायेगा। इस कारण से वहां पर न सांसद निधि से, न विधायक निधि से, न राज्य सरकार के द्वारा और न केन्द्र सरकार के द्वारा कोई विकास कार्य हो पा रहे हैं। तत्कालीन वन एवं पर्यावरण मंत्री सम्माननीय जयराम रमेश जी उस क्षेत्र में आये थे। उन्होंने इन गांवों के विस्थापन के लिए 150 करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी, लेकिन मुझे बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि उनके विभाग का परिवर्तन हो जाने के बाद इस दिशा में केन्द्र सरकार के द्वारा कोई भी कदम नहीं उठाया गया है।

इस कारण से मेरा आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि मेरे संसदीय क्षेत्र में पलकोहां, खरियानी, ढोड़न, मैनारी आदि जो गांव हैं और इसके साथ ही साथ सैंचुरी में आने वाले जो गांव हैं, जहां पर कि लोगों को विस्थापित किया जाना है, केन्द्र सरकार उस सम्बन्ध में तुरन्त पहल करे और मेरे संसदीय क्षेत्र के इन चार गांवों के विस्थापन के लिए 150 करोड़ रुपये की राशि शीघ्रातिशीघ्र देने का सहयोग करे।